- अधिक बच्चे देने की सम्भावना।
- 1.5 – 3 दिनों में गर्मी में आना।

### 7. हीलैक्स-FR (कटे-फटे, घाव हेतु आयुर्वेदिक औषधी)

- बाहरी घाव, चर्मरोग, में लाभप्रद।
- बाह्य परजीवी के आक्रमण से घाव की रक्षा।
- कीटाणु एवं मक्खियों के प्रकोप से सुरक्षा।

### 8. डायरियोनेक्स - HS (दस्त हेतु आयुवैदिक औषधी)

पशुओं को सभी प्रकार के दस्तों में लाभप्रद।

9.

10.

बकरी उत्पादन बढ़ाने से सम्बन्धित अब तक पैदा की गई तकनीकियों एवं ज्ञान को किसानों तक प्रसार या प्रक्षिक्षण के माध्यम से सम्पूर्ण भारत में पहुँचाना लाभकारी बकरी पालन के लिये आवक्श्यक है।


लेखक :

**विजय कुमार, अशोक कुमार, बृज मोहन एवं आर. पुरूषोत्तमन**

प्रकाशक :

**एम. एस. चौहान, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-के.ब.अ.सं., मखदूम**

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें-

हैल्पलाइन नं. : +91 – 565-2763320

ई-मेल : director.cirg@icar.gov.in,

वैबसाइट : http//www.cirg.res.in

**भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम,**

फरह-281122, मथुरा (उ.प्र.)

ys9456684421@gmail.com


# वैज्ञानिक बकरी पालन हेतु संस्थान द्वारा विकसित तकनीकियाँ

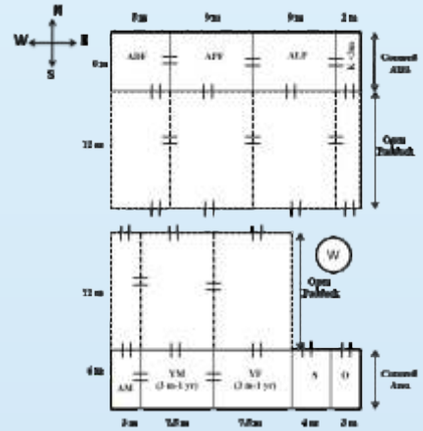

**भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान**

**मखदूम, फरह-281122, मथुरा (उ.प्र.)**

संस्थान द्वारा बकरी एवं बकरी पालकों के विकास हेतु विभिन्न प्रकार की तकनीकियाँ विकसित की गई हैं । प्रस्तुत लेख में इन तकनीकियों की संक्षिप्त जानकारी दी जा रही है ।

## 1. संस्थान क्षरा विकसित प्रमुख बकरी नस्ल

बरबरी, जमुनापारी तथा जखराना बकरियों में आनुवांशिक स्तर पर शारीरिक भार क्षमता, दुग्ध-उत्पादन में वृद्धि और प्रथम ब्याँत आयु में कमी, जनन सम्पादन और उत्तरजीविता दर में सुधार किया गया है।

### बरबरी:

गृहक्षेत्र – एटा, अलीगढ़, हाथरस, मथुरा (उ. प्र.)

प्रथम प्रसव उम – 13–16 माह

औसत शारीरिक भार (12 महीने पर) – नर से 20 से 30 किग्रा. मादा 16 से 22 किग्रा.

दुग्ध उत्पादन (90 दिन) – 60 से 75 लीटर

बहु प्रसव क्षमता – 60–70 प्रतिशत

### जमुनापारी :

गृहक्षेत्र – चकरनगर, जिला – इटावा (उ. प्र.)

प्रथम प्रसव उम्र – 18–22 माह

औसत शारीरिक भार (12 महीने पर) – नर से 25 से 35 किग्रा. मादा 22 से 28 किग्रा.

दुग्ध उत्पादन (90 दिन) – 100 से 130 लीटर

बहु प्रसव क्षमता – 35–40 प्रतिशत

### जखराना:

गृहक्षेत्र – चकरनगर, जिला – इटावा (उ. प्र.)

प्रथम प्रसव उम्र – 18–22 माह

औसत शारीरिक भार (12 महीने पर) – नर से 25 से 35 किग्रा. मादा 22 से 28 किग्रा.

दुग्ध उत्पादन (90 दिन) – 100 से 130 लीटर

बहु प्रसव क्षमता – 35–40 प्रतिशत

## 2. आवास :

अधिकांश: बकरी आवासों की लम्बाई 20 मीटर, चौड़ाई 6 मीटर तथा किनारे पर ऊँचाई 2.7 मीटर रखी जाती है। प्रति बकरी 10 से 15 वर्ग फुट स्थान की आवश्यकता होती है ।

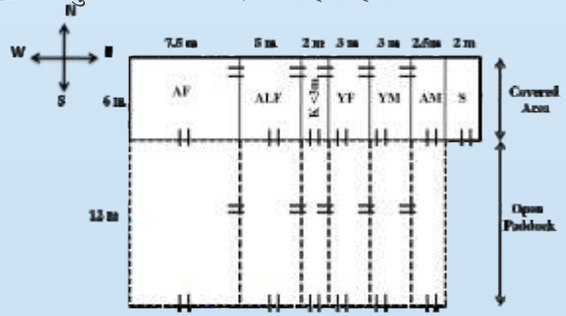


ADF/APF - Adult Dry Females (10 Nos.) & Adult Pregnant Female (20 Nos.);
ALF - Adult Lactating Females (20 Nos.); AM - Adult Males (5 Nos.);
K < 3m - 0 to 3 months kids (20 Nos.); YM - Young Males (23 Nos.);
YF - Young Females (23 Nos.); S - Store Room.

## 3. चारा दाना उपकरण :

35–40 % चारादाना की नुकसान में कमी।

25–30% खर्च में कमी।

एक उपकरण में 10–12 बकरियों के खिलाने की व्यवस्था।

बीमारियों से बचाव।

## 4. सम्पूर्ण आहार (गोलीनुमा)

- सघन पद्धति से बकरी पालन हेतु अत्यधिक उपयोगी।
- कम लागत पर सम्पूर्ण आहार का निर्माण।
- सभी प्रकार के पोषक तत्त्वों से भरपूर
- पानी की अतिरिक्त अतिरिक्त आहार की आवश्यकता।

## 5. जी-मिन फोर्ट (खनिज लवण मिश्रण)

- उत्तम विकास उत्पादन हेतु आवश्यक।
- रोग प्रतिरोधी क्षमता का विकास।
- चारा, दाना एवं पानी में आवश्यक तत्त्व की कमी की भरपाई।
- सभी वर्ग के पशु के लिए लाभप्रद।

## 6. बकरियों का ऋतुकाल (Oestrus) समायोजन तकनीक

- लम्बे गर्म अन्तराल के कारण 5 नुकसान से बचने का उपाय।
- एक साथ सभी बकरियों को गर्भ धारण कराने में सहायक।
- इच्छित समय पर गर्भ धारण।